शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

माह–जून 2021

वर्ष–7 अंक–1

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा
राजीव गांधी शिक्षा मिशन, छत्तीसगढ़

एजेंडा एक: स्कूल लाकडाउन के दौरान घर पर रहकर अभ्यास

साथियों गत वर्ष से हमारे बच्चों की पढाई कोरोना संक्रमण की वजह से बाधित हुई है। हम सबकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शासन ने स्कूलों को लाकडाउन किया है। लाकडाउन के बावजूद हमारे संवेदनशील शिक्षक साथियों ने बच्चों की पढाई जारी रखने हेतु विभिन्न नवाचारी प्रयास जैसे मोहल्ला कक्षाएं, लाउडस्पीकर स्कूल, आनलाइन कक्षाएं, बुलटू के बोल, मिस्ड काल गुरूजी का आयोजन किया है। इस वर्ष कोरोना का कहर पूर्व की तुलना में बहुत अधिक हुआ है। ऐसे में बच्चों को नियमित बुलाने का खतरा लेना अभी की स्थिति में उचित नहीं है।

इन बातों को ध्यान में रखते हुए सभी शालाओं एवं सभी कक्षाओं के लिए हमने बच्चों द्वारा घर पर रहकर लिखित अभ्यास के लिए ढेर सारी सामग्री बनाई है। इन सामग्री को बच्चों को उनके घर पर वितरित कर आप कुछ ऐसा नवाचारी सिस्टम बना सकते हैं जिसमें बच्चे आपके द्वारा बताए गए अभ्यासों को पूरा करे, इन अभ्यास कार्यों में मार्गदर्शन देने हेतु आपके सहयोग के लिए स्थानीय पढ़े-लिखे उत्साही लोग शिक्षा सारथी के रूप में हों और आप समय समय पर सभी को अपनी अभ्यास पुस्तिकाएं एक जगह एकत्र करने को कहें और आप बच्चों के कार्यों का आकलन कर उन्हें सुधार हेतु प्रेरित कर सके। इस कार्य के दौरान आप अपने शिक्षा सारथी को भी आवश्यक मार्गदर्शन दे सकते हैं।

इस योजना के क्रियान्वयन हेतु आपको कक्षावार उपलब्ध सामग्री का एक बार स्वयं अध्ययन करना होगा। उसके आधार पर प्रत्येक अभ्यास पुस्तिकाओं पर कार्य करने हेतु समय सारिणी बनाकर उन पुस्तिकाओं में उपलब्ध सभी अभ्यासों को बच्चों से समझ के साथ पूरा करवाना होगा। इस प्रकार आप बच्चों की संबधित कक्षाओं के कौशलों की प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर सकेंगे और कोरोना की वजह से बच्चों के सीखने में होने वाले नुकसान को कम कर सकेंगे। स्कूलों के खुलने पर भी आप इन पर कार्य करते हुए बच्चों द्वारा घर पर व्यतीत होने वाले समय का सदुपयोग करवा सकेंगे। यह अंक बच्चों के लिए वितरित विभिन्न अभ्यास पुस्तिकाओं के विवरण हेतु समर्पित है। सभी इनका बेहतर उपयोग सुनिश्चित करें।

एजेंडा दो: कक्षा पहली दूसरी के बच्चों के लिए अभ्यास सामग्री

पहली- वर्णमाला पुस्तिका: 48 पेज की सामग्री: सभी प्राथमिक शाला

रायपुर के शिक्षक श्री हेमंत साहू द्वारा तैयार इस पुस्तक में प्रत्येक वर्ण को संबंधित शब्द और उसी शब्द के चित्र के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए छतीसगढ़ी में दो से चार लाइन के स्लोगन जिसमें वह वर्ण अधिक से अधिक बार आ सके, ऐसा प्रस्तुत किया है। ऐसा करने से सीखे जा रहे वर्ण को पढने का भी अभ्यास आसानी से हो जाता है। आप अपने स्थानीय भाषा में भी बच्चों हेतु ऐसी सामग्री बनाकर उपयोग कर सकते है। इन्हें गाँव की दीवारों पर भी लिखा जा सकता है।

पहली- वर्णमाला चार्ट: दीवारों पर प्रदर्शित करने हेतु: सभी प्राथमिक शाला

सादरी,भतरी, गोंडी, दंतेवाडा, गोंडी, कांकेर, हल्बी, कुडुख, उड़िया, हिन्दी, छत्तीसगढ़ी में स्थानीय भाषा के जानकार शिक्षकों के माध्यम से इन चार्ट्स को बनाया गया है। इसे आप बच्चों को उचित दूरी में बिठाकर शाला सारथी के माध्यम से अभ्यास करवा सकते हैं। आप अपने स्थानीय भाषा में भी बच्चों हेतु ऐसी सामग्री बनाकर उपयोग कर सकते है। आपके भाषा समूह द्वारा इसे बना लेने पर हम उसे मुद्रित कर उपलब्ध करवा सकेंगे। इन्हें गाँव की दीवारों पर भी लिखा जा सकता है।

पहली- मेरी भाषा मेरी बोली कार्य पुस्तिका: 48 पेज: पहली के बच्चों हेतु

रूम टू रीड द्वारा तैयार इस पुस्तिका- मेरी भाषा बोली कार्यपुस्तिका को कक्षा पहली के बच्चों को वितरित करते हुए प्राथमिक के सभी बच्चों द्वारा छोटे छोटे समूह में बैठकर बड़ी कक्षाओं के बच्चों के सहयोग से इसे पूरा किया जाना है। इस पुस्तिका के माध्यम से समूह शिक्षण को प्रोत्साहित किया जाना है। इसमें छोटी छोटी चित्र कहानियों को पढ़कर उन पर अभ्यास करना है।

पहली-नींव: हर घर स्कूल-हिन्दी अभ्यास पुस्तिका: 88 पेज:पहली के बच्चे

लेंगुएज लर्निंग फाउंडेशन द्वारा तैयार इस पुस्तक को कक्षा पहली के सभी बच्चों को देते हुए हिन्दी भाषा सीखने से संबंधित विभिन्न अभ्यास करवाना है। इस कार्य में पालकों का भी सहयोग लेवें।

दूसरी- अभ्यास पुस्तिका हिन्दी (87 पेज) अंग्रेजी (59 पेज) गणित (96 पेज):दूसरी के बच्चे

लेंगुएज लर्निंग फाउंडेशन द्वारा तैयार इस पुस्तक को कक्षा दूसरी के सभी बच्चों को देते हुए हिन्दी भाषा सीखने से संबंधित विभिन्न अभ्यास करवाना है। संपर्क फाउंडेशन द्वारा अंग्रेजी एवं गणित के अभ्यास हेतु अभ्यास पुस्तिकाएं तैयार की गयी हैं। इन अभ्यास पुस्तिकाओं पर कार्य करते समय बड़ी कक्षाओं के बच्चों, पालकों एवं शिक्षा सारथियों का सहयोग लेवें।

पहली दूसरी- स्थानीय भाषा में वार्तालाप पुस्तिका: 16 पेज: पहली दूसरी के सभी बच्चे एवं शिक्षक
यह वार्तालाप पुस्तिका-धुर्वा,भतरी,संबलपुरी, दोरली, कुडुख, सादरी, बैगानी, हल्बी, दंतेवाडा गोंडी, कमारी, ओरिया, सरगुजिहा,भुजिया, सरगुजिहा में तैयार की गयी है। इसकी मदद से शिक्षक बच्चों की स्थानीय भाषा में कक्षा के भीतर एवं बाहर वार्तालाप कर सकता है। स्थानीय भाषा में अपना परिचय देने, कक्षा में बच्चों से चर्चा करने, पालकों से बातचीत आदि के साथ-साथ विभिन्न शब्दों के अर्थ स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराया गया है। कुछ नए शब्दों की जानकारी अपने स्तर पर लेकर उसे भी इस पुस्तिका में हाथ से लिखकर जोड़ने की सुविधा दी गयी है। यदि आपकी भाषा में आपके पीएलसी ऐसी वार्तालाप पुस्तिका बनाकर हमें उपलब्ध करवाएं तो हम आपको ऐसी सामग्री मुद्रित कर उपलब्ध करवा सकते हैं।
पहली दूसरी- गढ़बो नवा छत्तीसगढ़: 24 पेज: पहली दूसरी के बच्चे
एक अध्ययन में यह बात सामने आई कि हमारे बच्चों को विभिन्न व्यवसायों की जानकारी नहीं है। उनको पढ़कर आगे क्या बनना है पूछे जाने पर केवल चार पांच नाम ही बोल पाते हैं। इस सामग्री में बच्चों में बचपन से अच्छी आदतें, आत्मविश्वास, समय पालन एवं जीवन में आगे बढ़ने हेतु कहानियों एवं गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया है। ये पुस्तकें इस प्रकार से तैयार की गयी हैं कि बच्चों को अपने बड़ों, आसपास पढ़े-लिखे लोगों का सहयोग लेकर इसे पढ़ना और समझना होगा। पुस्तक को पढने समझने के बाद बच्चों के पास कम से कम पचास विभिन्न व्यवसायों की जानकारी हो जानी चाहिए। इस पुस्तक का उपयोग करने के पश्चात इसे शाला पुस्तकालय में पुनः उपयोग हेतु वापस करना है।
पहली दूसरी- सात टायटल में छत्तीसगढ़ी में मध्य जोन जिलों में फोकस: 8-12 पेज: मध्य जोन के जिलों के चयनित प्राथमिक शालाओं के बच्चों हेतु कहानियाँ
लेंगुएज लर्निंग फाउंडेशन द्वारा चित्र कहानियों-सुरीली अउ मोनी, तीन संगवारी, गीता गिस बरात, बेंदरा के पूंछी, चिड़िया, मुर्गी के तीन चूजे, सोनू के लड्डू में हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी दोनों में छोटे छोटे वाक्यों से बनी कहानियाँ हैं। पहले चित्र पर चर्चा कर उसके नीचे लिखे छोटे वाक्य को पढ़कर सुनाएं। बच्चों को भी साथ-साथ पढ़ने को कहें। बच्चों को इसके बाद जोड़ी में पठन हेतु प्रेरित करें। फिर बच्चों को अकेले जोर से बोलकर पढ़ते समय जहां जहां अटक रहे हों, वहां आवश्यक सहयोग प्रदान करें -कुछ समय बाद स्वतंत्र रूप से इसे पढने का अवसर देवें। शिक्षक द्वारा चित्र पर चर्चा- शिक्षक द्वारा जोर से पढ़ना-बच्चों द्वारा साथ-साथ दोहराना- बच्चों की जोड़ी

बनाकर पढ़ना- शिक्षक के सहयोग से पढ़ना-बच्चों द्वारा अकेले पढने का अवसर देना (स्वतंत्र पठन) - Read aloud- paired reading-shared reading-Guided reading- Independent Reading चरणों को फोलो कर सकते हैं।	
पहली दूसरी- सीढी-भाषा सेतु सहायिका - बस्तर जोन/ केन्द्रीय जोन-रायपुर-दुर्ग-बिलासपुर /सरगुजा जोन: 52 पेज	
तीन अलग अलग जोन में बोली जाने वाली प्रचलित भाषाओं में विभिन्न शब्दों को सिखाने उसका चित्र, उसका हिन्दी एवं अंग्रेजी में नाम एवं स्थानीय भाषा में लिखने हेतु जगह दी गयी है। बच्चों को अपने स्थानीय भाषा में उस चित्र का नाम नहीं मालूम हो तो वे अंत में दी गयी सूची से अपने भाषा में उसे क्या कहते हैं, उसे ढूंढ सकते हैं। आप अपनी स्थानीय भाषा में भी इसे तैयार कर सकते हैं।	
पहली दूसरी- छह भाषाओं में आठ कहानी पुस्तिकाएं: 12-20 पेज	
रूम टू रीड द्वारा विभिन्न भाषाओं में तैयार आठ कहानी पुस्तिकाएं - अब तुम गए काम से/चींटी और हाथी/बुलबुलों का राज/पांच खंबों वाला गाँव/ आगे-पीछे/अकेली मछली/घर/नटखट गिलहरी (छत्तीसगढ़ी, गोंडी कांकेर, हल्बी, सादरी, सरगुजिहा, गोंडी दंतेवाडा) आकर्षक चित्र एवं छोटे छोटे वाक्यों से पढ़ना सीखने का अवसर दिया गया है। आप इसमें भी पढने के विभिन्न चरणों का उपयोग करते हुए बच्चों को पढ़ना सिखा सकते हैं।	

एजेंडा तीन: कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों के लिए अभ्यास सामग्री

कक्षा तीसरी से पांचवीं- अंग्रेजी भाषा में कर्सिव लेखन अभ्यास पुस्तिका:
यह अभ्यास सामग्री कक्षा तीन से पांच के सभी बच्चों को देते हुए उन्हें घर पर रहते हुए अंग्रेजी भाषा में कर्सिव लेखन का अभ्यास करवाना है। इस पुस्तिका में लेखन के अभ्यास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान एवं शाला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बातों की भी जानकारी सीखने को मिल सकेगी। (72 पेज)
कक्षा तीसरी से पांचवीं- संपर्क अंग्रेजी कक्षा तीन (80 पेज)/ गणित अभ्यास पुस्तिका कक्षा तीन (80 पेज)कक्षा चार (152 पेज)कक्षा पांच (96 पेज)
संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से कक्षा तीसरी के लिए अंग्रेजी एवं कक्षा तीसरी से पांचवीं के बच्चों के लिए गणित की अभ्यास पुस्तिकाएं तैयार कर उपलब्ध करवाई गयी है। इन अभ्यास सामग्रियों में विभिन्न पाठों में क्यू- आर कोड भी उपलब्ध करवाए गए हैं जिसके सहयोग से मोबाइल से इनसे संबंधित वीडियो देखे जा सकते हैं। शिक्षा सारथी का सहयोग लेकर इन अभ्यास कार्यों को पूरा करवाएं।

राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण हेतु अभ्यास सामग्री कक्षा तीन (32 पेज) कक्षा पांच (32 पेज)
राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण में जिस प्रकार के सवाल पूछे जाते हैं और शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के लिए ऐसे सवालों को हल करने हेतु अपने शिक्षण पद्धति में किस प्रकार के बदलाव लाने की आवश्यकता है ताकि समझ के साथ प्रश्नों को हल किया जा सके, इन सबके अभ्यास एवं जानकारी हेतु कुछ सेम्पल अभ्यास के प्रश्न इस पुस्तिका के माध्यम से बच्चों को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। बच्चों को उत्तर लिखने गोलों पर पेन्सिल से भरने सही गोलों की पहचान एवं कम समय में उस गोले को कैसे पेन्सिल से रंगा जाए, इसका भी अभ्यास करने के अवसर इस अभ्यास पुस्तिका में दी गए हैं। किसी एक दिन तय कर जिन कक्षाओं के बच्चों का राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण होना है, उन कक्षाओं में ऐसे मोक टेस्ट लिए जा सकते हैं।
कक्षा तीसरी- Mini Reader-Read to Succeed (32 पेज)
यह सामग्री रायपुर के एक शिक्षक श्री ऋषि पाडे ने तैयार की है। इसमें अंग्रेजी वर्णमाला के एक एक वर्ण से शुरू होने वाले वर्ण से बहुत सारे शब्द और उनके चित्र क्रिएटिव तरीके से याद रखने हेतु सुझाए गए हैं। इस सामग्री का उपयोग कर हम अपने शब्दकोष का विस्तार आसानी से कर सकेंगे एवं छब्बीस अक्षरों के माध्यम से लगभग डेढ़ सौ से दो सौ शब्दों की समझ बना सकेंगे।
कक्षा तीसरी- apart but not alone (32 पेज)
इस पुस्तक को सुश्री माधुरी धाडीवाल ने अपने कनाडा के कुछ साथियों के साथ मिलकर तैयार किया है। इस पुस्तक में बड़े रोचक तरीके से कोरोना पर कहानी लिखी गयी है। इस कहानी को अंग्रेजी कर्सिव लेखन का उपयोग कर उसका हिन्दी में अनुवाद बगल में उपलब्ध करवाया गया है ताकि बच्चों को धीरे-धीरे कर्सिव लेखन का अभ्यास हो सके। बच्चों को इस सामग्री के पढने के बाद पुस्तक वापस करने को कहें ताकि बड़ी कक्षाओं के बच्चों को भी इसे पढने हेतु पुस्तकालय के माध्यम से दिया जा सके। इस पुस्तक में रूचि को देखते हुए इसे छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानीय भाषाओं में भी हमारे शिक्षकों ने अनुवाद कर लिया है।
कक्षा चार- स्वतंत्र लेखन हेतु "पढो-सोचो और अपने मन से लिखो"
इस पुस्तक के माध्यम से बच्चों को अपने मन से चिंतन कर पूछे गए सवालों के उत्तर लिखने के अवसर दिए गए हैं। पुस्तक में बच्चों को लेखन हेतु साठ गतिविधियाँ दी गयी हैं। वे इन सवालों के जवाब लिखते समय अपने पालकों एवं बड़ी कक्षाओं के बच्चों का सहयोग भी ले सकते हैं। (48 पेज)

एजेंडा चार: प्राथमिक स्तर पर पालकों एवं शिक्षकों हेतु सामग्री

पालकों हेतु मार्गदर्शिका- हमर लईका हमर जिम्मेदारी (48 पेज)

प्रत्येक प्राथमिक शाला में इस पुस्तिका की इक्कीस इक्कीस प्रतियाँ उपलब्ध करवाई जानी है जिसे वे छोटी कक्षाओं में अध्ययन कर रहे बच्चों के ऐसे पालकों को देंगे जो इसे पढ़कर अपने बच्चों को घर में पढ़ने, विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर सकेंगे। प्राथमिक शाला स्तर पर एक मास्टर ट्रेनर्स का कोर ग्रुप जिसमें शिक्षक एवं शाला प्रबंध समिति के सदस्य हों, इस सामग्री का अध्ययन कर पालकों विशेषकर माताओं का उन्मुखीकरण कर सकेंगी। इस उन्मुखीकरण के आधार पर बच्चों को घर में सीखने का माहौल बनाने एवं सीखने में सहयोग मिल सकेगा। इस पुस्तक को तैयार करने में रूम टू रीड का सहयोग लिया गया है।

प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों हेतु सामग्री

प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों के लिए स्थानीय भाषा में वार्तालाप हेतु वार्तालाप पुस्तिका- धुर्वा,भतरी,संबलपुरी, दोरली, कुड़ुख, सादरी, बैगानी, हल्बी, दंतेवाडा गोंडी, कमारी, ओरिया, सरगुजिहा, भुजिया, सरगुजिहा में तैयार की गयी है। इसकी मदद से शिक्षक बच्चों की स्थानीय भाषा में कक्षा के भीतर एवं बाहर वार्तालाप कर सकता है। (16 पेज)। बच्चों में स्वतंत्र लेखन को बढ़ावा देने में सहयोग करने हेतु "पढो-सोचो और अपने मन से लिखो" नामक सामग्री (48 पेज) भी सभी शिक्षकों को उपलब्ध करवाते हुए यह अपेक्षा की जाती है कि वे इस प्रकार से विभिन्न गतिविधियाँ तैयार कर अपने विद्यार्थियों को रटने की प्रवृत्ति से दूर स्वतंत्र चिंतन की ओर लेकर जाएंगे। बच्चों के आकलन एवं सीखने हेतु आकलन का नवाचारी तरीकों से उपयोग करने हेतु "प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों का आकलन" के नाम से एक पठन सामग्री (55 पेज) उपलब्ध करवाई गयी है। इसके माध्यम से शिक्षकों को आकलन की विभिन्न बारीकियों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी मिल सकेगी। राज्य में उपचारात्मक शिक्षण हेतु "सरल" कार्यक्रम के संचालन हेतु एक एक किट प्रत्येक प्राथमिक शाला को दी जा रही है जिसमें चार्ट, पोस्टर, काड्र्स, गतिविधियों के आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार की सामग्री एक किट के रूप में प्रदाय की जा रही है।

शाला संकुल स्तर पर यह अपेक्षा है कि इन सभी सामग्री पर हमारे सभी प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के साथ विचार-विमर्श हो और उन्हें इन सामग्रियों से पूर्ण परिचय करवाया जाए। पालकों के उन्मुखीकरण हेतु भी ठोस कार्यवाही करते हुए उन्हें विशिष्ट जिम्मेदारियां देते हुए उनके व्यवहार में परिवर्तन की दिशा में कार्य प्रारंभ किया जाए ताकि वे अपने अपने बच्चों की पढाई की जिम्मेदारी ले सके। शाला संकुल स्तर पर आकलन की समझ भी विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किया जाए।

एजेंडा पांच: उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों हेतु सामग्री

कक्षा छठवीं से आठवीं- अंग्रेजी भाषा में कर्सिव लेखन अभ्यास पुस्तिका: छठवीं (42 पेज) सातवीं (48 पेज) आठवीं (48 पेज)
यह अभ्यास सामग्री कक्षा छठवीं से आठवीं के सभी बच्चों को देते हुए उन्हें घर पर रहते हुए अंग्रेजी भाषा में कर्सिव लेखन का अभ्यास करवाना है। इस पुस्तिका में लेखन के अभ्यास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान एवं शाला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बातों की भी जानकारी सीखने को मिल सकेगी। बच्चों को कुछ मुद्दों पर अपने स्वतंत्र विचार अंग्रेजी में लिखने के अवसर भी इसमें दिए गए हैं।
कक्षा छठवीं से आठवीं- "संभावना" सीखने के प्रतिफल के अनुरूप समझ हेतु अभ्यास पुस्तिका: छठवीं (203 पेज) सातवीं (204 पेज) आठवीं (188 पेज)
अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों के लिए संभावना के नाम से ये अभ्यास पुस्तिकाएं तैयार कर उपलब्ध करवाई गयी है। इन अभ्यास सामग्रियों में विभिन्न विषयों यथा हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पाठों को लर्निंग आउटकम आदि को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। शिक्षा सारथी का सहयोग लेकर इन अभ्यास कार्यों को पूरा करवाएं एवं आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी देवें।
राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण हेतु अभ्यास सामग्री कक्षा आठ (32 पेज)
राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण में जिस प्रकार के सवाल पूछे जाते हैं और शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के लिए ऐसे सवालों को हल करने हेतु अपने शिक्षण पद्धति में किस प्रकार के बदलाव लाने की आवश्यकता है ताकि समझ के साथ प्रश्नों को हल किया जा सके, इन सबके अभ्यास एवं जानकारी हेतु कुछ सेम्पल अभ्यास के प्रश्न इस पुस्तिका के माध्यम से बच्चों को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। बच्चों को उत्तर लिखने गोलों पर पेन्सिल से भरने सही गोलों की पहचान एवं कम समय में उस गोले को कैसे पेन्सिल से रंगा जाए, इसका भी अभ्यास करने के अवसर इस अभ्यास पुस्तिका में दी गए हैं। किसी एक दिन तय कर जिन कक्षाओं के बच्चों का राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण होना है, उन कक्षाओं में ऐसे मोक टेस्ट लिए जा सकते हैं।
कक्षा छठवीं से आठवीं- "जीवन कौशल शिक्षा": छठवीं (62 पेज) सातवीं (64 पेज) आठवीं (88 पेज) - सरगुजा संभाग
यह सामग्री रूम टू रीड द्वारा तैयार की गयी है। परियोजना विजयी के अंतर्गत अभी तक यह कार्यकम छात्रावास में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए था। इसका विस्तार

करते हुए अब इसे शुरुआती दौर में सरगुजा संभाग के सभी जिलों में उपलब्ध करवाया गया है। शिक्षकों को इस पर प्रशिक्षण देते हुए बच्चों से अभ्यास पुस्तिकाओं पर कार्य करवाया जाना है। बच्चे इस पुस्तक के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों को पढ़कर उन पर अपने विचार लिख सकेंगे।

कक्षा छठवीं से आठवीं- "निखार- अधिगम संवर्धन हेतु एक कार्यक्रम":

राज्य में उपचारात्मक शिक्षण में सहयोग हेतु ट्रांसफॉर्म स्कूल नामक संस्था के साथ मिलकर निखार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्य्रकम के अंतर्गत कक्षा छठवीं से आठवीं तक हिन्दी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण विज्ञान कुल चार विषयों में विद्यार्थियों के लिए अभ्यास पुस्तिकाएं उपलब्ध करवाई गयी है। इन अभ्यास पुस्तिकाओं को आकांक्षी जिलों में 80% विद्यार्थी+ पांच अन्य जिलों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बलौदाबाजार एवं गरियाबंद में 30% विद्यार्थी के मान से उपलब्ध करवाया गया है। आपको अपनी शाला में उपचारात्मक शिक्षण में सहयोग लेने हेतु इन सामग्रियों का उपयोग किया जा सकता है।

एजेंडा छह: उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों हेतु सामग्री

उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों हेतु सामग्री

उच्च प्राथमिक स्तर पर चयनित क्षेत्रों में शिक्षकों के लिए निखार शिक्षक मार्गदर्शिका कक्षा छठवीं से आठवीं – हिन्दी/अंग्रेजी/गणित एवं पर्यावरण विज्ञान उपचारात्मक शिक्षण हेतु उपलब्ध करवाई गयी है। आकांक्षी जिलों में 80% विद्यार्थी+ पांच अन्य जिलों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बलौदाबाजार एवं गरियाबंद में 30% विद्यार्थी के मान से कुछ सीमित शालाओं में ही इस सामग्री को उपलब्ध करवाया गया है। इसी प्रकार जीवन कौशल शिक्षण हेतु सरगुजा संभाग के शिक्षकों हेतु संदर्शिका उपलब्ध करवाई गयी है। शालाओं में प्रार्थना के दौरान आयोजित किए जा सकने योग्य विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु करेबल्स नामक पुस्तक भी सभी उच्च प्राथमिक शालाओं को उपलब्ध करवाई गयी है।

शाला संकुल से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अपने शाला संकुल के सभी शिक्षकों को करेबल्स नामक पुस्तक पर उन्मुखीकरण करवाते हुए उसमें दिए गए गतिविधियों से परिचित करवाएं एवं शालाओं में इनका आयोजन सुनिश्चित करें। जिन शालाओं में निखार कार्यक्रम आयोजित होना है वहां के शिक्षकों के उन्मुखीकरण हेतु आवश्यक तैयारी करें ताकि यह कार्यक्रम बेहतर तरीके से शाला स्तर पर उपचारात्मक शिक्षण हेतु आयोजित किया जा सके। चयनित शाला के सभी बच्चों से निखार अभ्यास पुस्तिका पर कार्य पूरा करवाएं एवं उन्हें वापस लेकर आगामी स्तर में भी अन्य विद्यार्थियों के लिए उपयोग में लाये जाने की व्यवस्था करें।

एजेंडा सात: हाई/ हायर सेकन्डरी स्कूल स्तर के बच्चों हेतु सामग्री

कक्षा नवमीं- "निखार- अधिगम संवर्धन हेतु एक कार्यक्रम":

निखार कार्य्रकम के अंतर्गत कक्षा नवमीं के बच्चों हेतु हिन्दी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण विज्ञान कुल चार विषयों में विद्यार्थियों के लिए अभ्यास पुस्तिकाएं उपलब्ध करवाई गयी है। इन अभ्यास पुस्तिकाओं को आकांक्षी जिलों में 80% विद्यार्थी+ पांच अन्य जिलों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बलौदाबाजार एवं गरियाबंद में 30% विद्यार्थी के मान से उपलब्ध करवाया गया है। आपको अपनी शाला में उपचारात्मक शिक्षण में सहयोग लेने हेतु इन सामग्रियों का उपयोग किया जा सकता है। राज्य में उपचारात्मक शिक्षण में सहयोग हेतु ट्रांसफॉर्म स्कूल नामक संस्था के साथ मिलकर निखार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों को इन अभ्यास पुस्तिकाओं को घर पर हल करने देने के साथ-साथ उन्हें आनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विभिन्न अभ्यासों को समझाने एवं स्थानीय शाला सारथी को इन सामग्री पर समझ विकसित कर उनके माध्यम से अभ्यास कार्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण हेतु अभ्यास सामग्री कक्षा दस (86 पेज)

राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण में जिस प्रकार के सवाल पूछे जाते हैं और शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के लिए ऐसे सवालों को हल करने हेतु अपने शिक्षण पद्धति में किस प्रकार के बदलाव लाने की आवश्यकता है ताकि समझ के साथ प्रश्नों को हल किया जा सके, इन सबके अभ्यास एवं जानकारी हेतु कुछ सेम्पल अभ्यास के प्रश्न इस पुस्तिका के माध्यम से बच्चों को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। बच्चों को उत्तर लिखने गोलों पर पेन्सिल से भरने सही गोलों की पहचान एवं कम समय में उस गोले को कैसे पेन्सिल से रंगा जाए, इसका भी अभ्यास करने के अवसर इस अभ्यास पुस्तिका में दी गए हैं। किसी एक दिन तय कर जिन कक्षाओं के बच्चों का राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण होना है, उन कक्षाओं में ऐसे मोक टेस्ट लिए जा सकते हैं।

कक्षा नवमीं से बारहवीं- "जीवन कौशल शिक्षा": नवमीं (86 पेज) दसवीं (89 पेज) ग्यारहवीं (90 पेज)बारहवीं (54 पेज) - सरगुजा संभाग

यह सामग्री रूम टू रीड द्वारा तैयार की गयी है। परियोजना विजयी के अंतर्गत अभी तक यह कार्यकम छात्रावास में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए था। इसका विस्तार करते हुए अब इसे शुरुआती दौर में सरगुजा संभाग के सभी जिलों में उपलब्ध करवाया गया है। शिक्षकों को इस पर प्रशिक्षण देते हुए बच्चों से अभ्यास पुस्तिकाओं पर कार्य करवाया जाना है। बच्चे इस पुस्तक के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों को पढ़कर उन पर अपने विचार लिख सकेंगे। सरगुजा संभाग के सभी बच्चों को इसे पढने एवं स्वयं घर पर रहकर अभ्यास करने का अवसर देवें।

एजेंडा आठ: हाई/ हायर सेकन्डरी स्कूल स्तर के शिक्षकों हेतु सामग्री

हाई/ हायर सेकन्डरी स्कूल स्तर के शिक्षकों हेतु सामग्री

हाई/ हायर सेकन्डरी स्कूल स्तर पर चयनित क्षेत्रों में शिक्षकों के लिए निखार शिक्षक मार्गदर्शिका कक्षा नवमीं से बारहवीं - हिन्दी/अंग्रेजी/गणित एवं पर्यावरण विज्ञान उपचारात्मक शिक्षण हेतु उपलब्ध करवाई गयी है। इसी प्रकार जीवन कौशल शिक्षण हेतु सरगुजा संभाग के शिक्षकों हेतु संदर्शिका उपलब्ध करवाई गयी है। शालाओं में प्रार्थना के दौरान आयोजित किए जा सकने योग्य विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु करेबल्स नामक पुस्तक भी सभी हाई/ हायर सेकन्डरी शालाओं को उपलब्ध करवाई गयी है।

एजेंडा नौ: उच्च प्राथमिक स्तर पर पुस्तकालय में द्विभाषी सामग्री

राज्य में इस वर्ष पहली बार सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडियन लैंग्वेजेस (CIL), मैसूर द्वारा निर्मित द्विभाषी कहानियों को उच्च प्राथमिक स्तर पर शाला पुस्तकालय हेतु लिया गया है। इसमें लगभग सौ से अधिक पुस्तकों का सेट है जिसमें बहुत छोटी-छोटी कहानियाँ है जिसे पहले अंग्रेजी में एवं बाद में हिन्दी में उसका भावार्थ अनुवाद किया गया है। इन पुस्तकों को बच्चों के साथ इस प्रकार से उपयोग किया जा सकता है-

- इस कार्यक्रम को एक नाम देकर अभियान के रूप में चलाया जाए तो बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। "सौ दिन सौ कहानियाँ" के नाम से इसे चलाया जा सकता है।
- पुस्तकों को बच्चों को देने एवं आपस में अदला बदली, रिकार्ड संधारण वगैरह की जिम्मेदारी युवा संसद में मंत्रियों को दी जा सकती है।
- बच्चे को पुस्तक को पढ़ते समय सबसे पहले पुस्तक में दी गए चित्रों को ध्यान से देखना होगा और समझने का प्रयास करना होगा कि कहानी किस मुद्दे पर लिखी गयी है।
- उसके बाद पहले अंग्रेजी में लिखे वाक्यों को पढ़ना होगा और ध्यान से पढ़कर अंग्रेजी में ही कहानी के अर्थ को समझने का प्रयास करना होगा।
- ठीक से समझ नहीं आने की स्थिति में उस कहानी का हिन्दी अनुवाद पढ़कर कहानी का आनन्द लेवें।

- इसके बाद पुनः उसे अंग्रेजी में पढ़कर समझने का प्रयास करें। नए शब्दों को अपनी कापी में लिखकर उसका अर्थ हिन्दी में अनुमान लगाकर या डिक्शनरी में देखकर लिखें और समय पर उपयोग हेतु याद रखें।
- कहानी अच्छे से समझ में आने के बाद उसे अपने आसपास अन्य बच्चों एवं बड़ों को सुनाएं। उनके समक्ष अंग्रेजी में भी कहानी पढ़कर सुनाएं।
- ये पुस्तकें वाटर प्रूफ हैं और इसे एक दूसरे से बदलते समय आप इसे सेनिटाईज भी कर सकते हैं। कागज़ भी आसानी से नहीं फटते इसलिए उपयोग आसान है।
- शाला संकुल स्तर पर इस कार्यक्रम हेतु ठोस प्लान कर सभी सुरक्षागत नियमों का पालन करते हुए बच्चों को घर पर रहकर पुस्तकालय की इन पुस्तकों का उपयोग कर उनके अंग्रेजी में पढने के कौशल एवं पढने में रूचि विकसित करें।

एजेंडा दस: आमाराईट (AM I RIGHT) ग्रीष्मकालीन परियोजना

रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तैयार इस परियोजना को लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से पूरे राज्य में लागू किए जाने हेतु आदेशित किया गया है। आमाराईट वास्तव में AM I Right का छत्तीसगढ़ी अपभ्रंश है। कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थी ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी कक्षा को प्रदत्त कार्य को अपने प्रोजेक्ट फ़ाइल में बनाकर तैयार रखेंगे। शाला खुलने पर इन प्रोजेक्ट फ़ाइल को जमा कर उनकी ग्रेडिंग A-B-C में करते हुए बच्चों के प्रगति पत्रक में इसकि प्रविष्टि की जाएगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दी गयी गतिविधि के कुछ उदाहरण-

- अपने मामा गाँव/ फूफा गाँव का नाम लिखो
- घर में और खेती में काम आने वाले औजारों के नाम लिखो
- अपने घर के खिडकी दरवाजों की लंबाई चौडाई नापकर उनका क्षेत्रफल ज्ञान करो
- छत्तीसगढ़ी भाषा में दस मुहावरे लिखकर उसका अर्थ और वाक्यों में प्रयोग करो
- अपने परिवार की वंशावली का निर्माण करें
- अपने आसपास की व्यर्थ चीजों से कोई पांच उपयोगी वस्तुएं बनाकर शाला में लावें
- छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य एवं प्रसिद्ध नर्तकों के नाम लिखें
- किन्हीं दस देशों की मुद्रा का नाम लिखो
- कोरोना का विवरण लिखें
- औषधीय महत्व की जडी-बूटियों एवं पत्तियों की जानकारी देवें
- अपने गाँव की जनगणना की जानकारी देवें
- छत्तीसगढ़ के प्रमुख फसलों की जानकारी देवें
- किन्ही दस बीमारियों की जानकारी देवें
- आपके विद्यालय के आसपास कौन कौन से कार्यालय संचालित हैं ?